तर्ज़ .. हमको मन की शक्ति देना

सत्गुरू का आसरा लें
बढ़ते जायें हम
हर पल ही शुकर शुकर
करते जायें हम

आज भी साकार हो तुम
कर रहे उद्धार
सर पे हाथ रखके हमें
दे रहे हो प्यार
चलके वचनों पे तेरे सँवरते जायें हम.....२
हर पल ही .....

ना बड़ा ना छोटा कोई
सब तेरा परिवार
सबकी सेवा करते जायें
बनके सेवादार
सबका ही सत्कार दिल में भरते
जायें हम ----२
हर पल ही शुकर-----

तेरा भाणा मीठा लागे
समरपण करें
छोड़ के किन्तु परन्तु
सतवचन करें
गुरुमत ना छूटे कभी, डरते जायें हम
----------२
हर पल ही शुकर--------

पल पल की क़दर करें
सत्संग सिमरन
गोपी,दिलवर,भगवन हो
भक्तिमय जीवन
पूजा सत्गुरू की सदा, करते जायें हम ----------२
हर पल ही शुकर --------